मत्स्याखेट 42,000 साल पहले शुरू हुआ था

दुनिया का सबसे पहला मछली पकड़ने का कांटा पूर्वी टिमोर के एक स्थल से खोजा गया है। कहा जा रहा है कि यह इस बात का सबूत है कि मनुष्य 42,000 साल पहले खुले समुद्र में मछली पकड़ा करते थे। *साइन्स* में प्रकाशित यह खोज पूर्वी टिमोर में जेरिमलाई शैलाश्रय में हुई है।

ऑस्ट्रेलिया नेशनल युनिवर्सिटी के पुरातत्त्ववेत्ता स्यू ओकोनोर और उनके सहकर्मियों को यहां से जंतु कवच से बने दो मछली कांटे मिले हैं। इनमें से एक 11,000 वर्ष पुराना और दूसरा 23-16 हज़ार वर्ष पुराना है। ये मछली कांटों के सबसे प्राचीन नमूने हैं। इससे पहले दक्षिण पूर्व एशिया से एक मछली कांटा मिला था जिसकी उम्र करीब साढ़े पांच हज़ार वर्ष आंकी गई थी।

इनके अलावा ओकोनोर की टीम को वहां से मछलियों की हड्डियों का भंडार भी मिला है जिसमें करीब 38 हज़ार हड्डियां हैं। इनमें से सबसे पुरानी हड्डी 42,000 वर्ष पहले की है। इनमें से कुछ तो तटवर्ती पानी की मछलियों की हड्डियां हैं मगर काफी सारी हड्डियां ऐसी मछलियों की भी हैं जो गहरे समुद्र में रहती हैं, जिन्हें पिलेजिक मछलियां कहते हैं। यहां पाई गई पिलेजिक हड्डियों में सर्वाधिक संख्या ट्यूना मछलियों की हड्डियों की है। साथ ही साथ इस बात के भी प्रमाण मिले हैं कि उस समय मनुष्य शार्क वगैरह भी खाया करते थे।

ओकोनोर के मुताबिक यह अद्भुत बात है कि 40,000 साल पहले इन्सान इतनी तरह की मछलियां खाते थे। इन्हें पकड़ने के लिए काफी जटिल उपकरणों और नौवहन दक्षता की ज़रूरत होती है। वैसे टीम को जो कांटे मिले हैं, उनसे तो पिलेजिक मछलियां नहीं पकड़ी जा सकतीं।

एक अन्य पुरातत्त्ववेत्ता क्रिस्टोफर हेंशिलवुड का मत है कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मनुष्य इतने समय पहले गहरे समुद्र में मछली मारा करते थे क्योंकि यह तो पता ही है कि उस काल में मनुष्य समुद्री यात्रा में काफी दक्ष थे। देखा जाए तो मनुष्य सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया में 50.000 साल पहले समुद्री मार्ग से आए थे।

वैसे कई शोधकर्ताओं को लगता है कि ओकोनोर की खोज के परिणामों को तत्काल स्वीकार करना जल्दबाज़ी होगी। वे कहते हैं कि इन हड्डियों तथा कांटों का काल निर्धारण जिस विधि से किया गया है, वह इतने पुराने समय के लिए बहुत सही नतीजे नहीं देती। ***(स्रोत फीचर्स)***